केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 128 रविवार 1 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डीएम ने किया औचक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने खाद्य एवं औषधि प्रयोगशाला तथा मण्डलीय कार्यालय/भवन ग्राम अमौली, तहसील सदर, बस्ती का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने पाया कि अग्निशमन व्यवस्था में स्प्रिंकलर लगाना, पीयूएमपी की स्थापना शेष है तथा मूंहम नउच का निर्माण प्रगति पर है। विद्युत संयोजन में ट्रान्सफार्मर और मीटर रूम तैयार हो गया है, पर उसे आंतरिक पतपदह से जोड़ा नहीं गया था।

उन्होने पाया कि खिड़की दरवाजे के स्लाइडर एवं लॉक ठीक है। निर्माणाधीन प्रयोगशाला का निर्माण यू.पी. स्टेट कान्स्ट्रक्शन डेवलमेन्ट कारपोरेशन लि0, बस्ती द्वारा कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने यू.पी. स्टेट कान्स्ट्रक्शन डेवलमेन्ट के अभियन्ता से परियोजना में हुए विलम्ब के विषय में पूछने पर अभियन्ता एवं ठेकेदार ने दिसम्बर अंत तक कार्य पूर्ण कर देने का आश्वासन दिया।

पूजन भण्डार में चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर कोतवाली क्षेत्र के रौता पुलिस चौकी के पास घस्थित प्रज्ञा पूजन भंडार में घुसकर चोरी की घटना में केस दर्ज कर लिया गया है। दुकान के शटर में जैक लगाकर करीब 50 हजार रुपये नकदी गल्ले से हो गई। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। चोर ने टोपी पहनी हुई है और मास्क लगा रखा है, जिससे उसे पहचाना न जा सके। मालवीय रोड पर रौता चौराहे के निकट रामकमल सिंह की प्रज्ञा पूजन भंडार के साथ ही किराना मार्ट स्थित है। व्यवसायी रामकमल सिंह के अनुसार गुरुवार रात दुकान का शटर बंद करके घर चले गए थे। देर रात करीब 12 से एक बजे के मध्य चोर दुकान का शटर किसी मशीन से खोलकर दुकान में घुस गया। बारी–बारी उसने दुकान में बने सभी काउंटरों के गल्ले को खंगाल डाला।

मंडल सम्पर्क प्रमुख बने डा वीरेन्द्र त्रिपाठी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय शिक्षा बोर्ड के मण्डल सम्पर्क प्रमुख का दायित्व डा0 वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी को सौंपा गया है। उन्हें बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, अयोध्या, गोण्डा और बलरामपुर जिलों के विद्यालयों में जागरूकता का दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने बताया कि बोर्ड की स्थापना का उद्देश्य भारतीय वैदिक संस्कृति परक शिक्षा को प्रत्येक विद्यार्थी तक पहुंचाना है। शिक्षा को शिक्षा से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है उसका महत्व तब और बढ़ जाता है जब उसमें वैदिक संस्कृति का विशेष रूप से समावेश हो।

विश्व संवाद परिषद योग और प्राकृतिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव प्रो.डॉ नवीन सिंह ने बताया कि यह दायित्व उन्हें हरिद्वार में आयोजित बोर्ड की विशेष बैठक में सौंपा गया। बस्ती आने पर अनेक संगठनों ने उनका स्वागत किया।

ट्रक से कुचलकर फल व्यापारी की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के पालिटेक्निक चौराहे के निकट ट्रक से कुचलकर सुर्तीहट्टा निवासी लगभग 62 वर्षीय राम स्वरूप सोनकर की मौत हो गई। ट्रक नम्बर एच.आर. 38ए.डी. 6047 को पुलिस ने चालक समेत बरामद कर लिया। राम स्वरूप सोनकर की फल की दूकान रेलवे स्टेशन के निकट है। वे फल लेने पैदल मण्डी जा रहे थे कि पालिटेक्निक चौराहे के निकट पेट्रोल पम्प के पास ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। उन्हें जिला अस्पताल लाया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गयी। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

भ्रष्टाचार पर किया प्रहार तो यूपी में बढा निवेश- योगी

संवाददाता– गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में माफिया, गुंडाराज और भ्रष्टाचार पर किए गए प्रहार का ही परिणाम है कि अब यहां खूब निवेश आ रहा है और युवाओं के लिए रोजगार भी लगातार बढ़ रहा है। अब उत्तर प्रदेश सुरक्षा का बेहतरीन माहौल देकर निवेश प्राप्त करने वाला देश का अग्रणी राज्य है। यूपी में निवेशकों और उनकी पूंजी की सुरक्षा की गारंटी है।

योगी, शनिवार को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के 35वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 1068 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के लिए आवंटित 85 भूखंडों में से पांच निवेशकों को अपने हाथों से आवंटन प्रमाण पत्र सौंपने के साथ ही गीडा में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए 209 करोड़ रुपये के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान सीएम ने गीडा में दो दिवसीय ट्रेड शो का भी उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा के बेहतरीन माहौल, कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस), शानदार रोड, रेल और एयर कनेक्टिविटी और उद्योगों की मांग के अनुरूप सुदृढ़ लैंड बैंक के चलते यूपी को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इतने बड़े पैमाने पर निवेश के धरातल पर उतरने का मतलब है डेढ़ करोड़ नौजवानों को रोजगार की गारंटी। उन्होंने कहा कि यूपी के हर जिले में बेहतरीन माहौल बना है। प्रदेश में लगातार निवेश आ रहा है। यह सब सार्थक प्रयासों से संभव हुआ है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए उत्तर प्रदेश ने 2028–29 तक एक ट्रिलियन डॉलर योगदान देने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए विकास, रोजगार और निवेश भी चाहिए।

एसवाईएस ने मनाया पांचवा स्थापना दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को शिक्षित युवा संगठन का पांचवा स्थापना दिवस रेलवे स्टेशन के निकट स्थित एक होटल के सभाकक्ष में बनाया गया। एसवाईएस के संस्थापक केशरी प्रसाद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवक युवतियों को शिक्षा के लिये प्रोत्साहन, समय–समय पर चिकित्सा शिविर के आयोजन और गरीब बेटियों के विवाह में समिति द्वारा सहयोग किया जाता है। शासन स्तर पर बिना किसी सहयोग के संगठन निरन्तर समाजसेवा के क्षेत्र में अपना योगदान दे रही है। समिति के सचिव प्रमेन्द्र कुमार ने कहा कि अति शीघ्र संगठन के कार्यों का और विस्तार किया जायेगा जिससे लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी आये।

संगठन के पांचवे स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनय अम्बेडकर, इन्द्रासन, विजय कुमार, दिवाकर चौधरी, पूनम भारती, अभिषेक कुमार उर्फ गोलू, सौरभ श्रीवास्तव, सिन्टू, अशोक चौधरी, तीजू प्रसाद यादव, निगम, अंकुर प्रसाद, अनूप, मोहित, यश चौधरी, सनोज कन्नौजिया आदि उपस्थित रहे।

दलित ने एसपी से लगाया जमीन और जान माल के रक्षा की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के महेरिया निवासी दलित रामतौल पुत्र राम विलास ने पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर अपने जमीन और जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है। पत्र में रामतौल ने कहा है कि चैनपुरा निवासी राम वृक्ष यादव पुत्र आशाराम अवैध रूप से उसके जमीन पर कब्जा कर लेना चाहते हैं। अनेकों बार इसे लेकर विवाद हो चुका है। जमीन पर दीवानी न्यायालय का स्थगन भी है। गत 9 नवम्बर को नायब तहसीलदार और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम सीमांकन के लिये पहुंची तो सीमांकन के बाद राम वृक्ष यादव पुत्र आशाराम, उनका पुत्र बृजेश, कम्मल पुत्र सरजू के साथ आठ–दस लोगों ने उसे जाति सूचक गालियां देते हुये परिवार समेत जान से मारने की धमकियां दी। घटना की जानकारी वाल्टरगंज पुलिस को दी गई। उक्त लोग मिट्टी को खेत से खनकर उम्फर से ढुलाई कर जमीन पर गिरा रहे थे। 112 पर सूचना देने के बाद पुलिस पहुंची तो उक्त लोग भाग गये। रामतौल ने मांग किया गया है कि दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराने के साथ ही उसके परिवार और जान माल की रक्षा कराया जाय।

सेवानिवृत्ति पर भेंट किये उपहार, दिया विदाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पशु पालन विभाग में पत्रवाहक पद पर कार्यरत हरीराम पाण्डेय सेवा निवृत्त हो गये। शनिवार को विकास भवन सभागार में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. राजेश त्रिपाठी के साथ ही विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों ने उन्हें धार्मिक पुस्तक, वस्त्र आदि भेंटकर फूल मालाओं के साथ विदाई दिया। डा. राजेश त्रिपाठी ने कहा कि शासकीय सेवा में सेवा निवृत्ति एक अनिवार्य प्रक्रिया है।

विकास भवन कर्मचारी संघ अध्यक्ष राम अधार पाल ने कहा कि हरीराम पाण्डेय अपने व्यवहार से लोगों में प्रिय थे। उनका शेष जीवन सुखद बीते इसकी कामना की गई। इस मौके पर मुख्य रूप से उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. प्रेम कुमार वर्मा, डा. अवधेश यादव, दीपक उपाध्याय, राम दयाल श्रीवास्तव, विजय प्रकाश, बृजेश श्रीवास्तव, रविन्द्र कुमार, कौशल कुमार, विनय सिंह, विमल आनन्द, प्रमिला देवी, गुन्जन श्रीवास्तव, अमरेश सिंह, अर्जुन कुमार, राजेश मिश्र, राकेश सिंह, दिलीप कुमार, वीरेन्द्र कुमार, राजकुमार, ज्ञानचन्द्र चौहान, ओंकार श्रीवास्तव, प्रमोद उपाध्याय, श्याम ओझा, दयाराम, मदन मोहन, मनीष चौधरी, अविनाश कुमार, अरविन्द कुमार, शनि शुक्ला, पूजा मिश्रा, बिन्दू पाण्डेय, प्रेम शंकर चौरसिया, इमाम अली, नसीम अली आदि मौजूद रहे।

10654 बच्चों ने दी निपुण असेसमेंट परीक्षा, 95.41 प्रतिशत रही उपस्थिति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दो दिवसीय निपुण एसेसमेंट परीक्षा शनिवार को हरैया ब्लाक के समस्त परिषदीय विद्यालय और कस्तूरबा विद्यालय में सम्पन्न हुई। शुक्रवार को सम्पन्न हुई कक्षा एक से तीन की परीक्षा में 4047 बच्चों के सापेक्ष 3925 तथा शनिवार को कक्षा चार से आठ की परीक्षा में 7119 के सापेक्ष 6729 बच्चे उपस्थित रहे। कक्षा एक से आठ तक कुल 11166 बच्चों के सापेक्ष 10654 बच्चे उपस्थित रहे। इस तरह कुल उपस्थिति 95.41 प्रतिशत रही। यह जानकारी देते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनन्द ने बताया कि दोनों दिन परीक्षा दो घंटे की कराई गई। परीक्षा को सुचार रूप से और निगरानी में कराने के लिए जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई थी इसके साथ ही प्रत्येक विद्यालय पर दूसरे विद्यालय के शिक्षकों को पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया था। कक्षा एक से तीन के बच्चों ने जो सही उत्तर दिया उसके अनुसार उनका ओएमआर शिक्षकों ने भरा तथा कक्षा चार से आठ के बच्चों ने अपना ओएमआर स्वयं भरा। परीक्षा के बाद शिक्षकों द्वारा ओएमआर को परख ऐप पर अपलोड किया गया। जहां भी ऐप पर ओएमआर अपलोड करने में समस्या हुई शिक्षकों ने कंट्रोल रूम को सूचना दी जिसका समाधान एसआरजी, एआरपी और ऑपरेटर के द्वारा कराया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि परीक्षा के बाद सभी स्कूलों को निर्देश जारी किया गया है कि ओएमआर शीट को दो माह तक सुरक्षित रखना है। ओएमआर शीट की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाय, अन्यथा संबंधित के खिलाफ कार्यवाही होगी।

जब ईट से ईट बजाने लगे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक: खुल गई घटिया ट्रामा सेन्टर निर्माण की पोल

चन्दौली (आभा)। यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शनिवार को चंदौली के निर्माणाधीन ट्रामा सेंटर पर निरीक्षण करने पहुंच गए। वहां रखी ईंटों को देखते ही उनका माथा ठनक गया। दो ईंटों को उठाकर मौके पर मौजूद अधिकारियों और ठेकेदार से पूछ लिया कि यह अव्वल ईंटा है। इसके बाद दोनों ईंटों को आपस में लड़ाकर बजाते हुए पूछा कि आवाज सुनो। यह भी कहा कि अभी लड़ा दूंगा तो टूट जाएगा। ब्रजेश पाठक के ऐसा करते ही ईंटा का काफी हिस्सा टूट गया। कुछ हिस्सा टूटने के बाद उनके जैकेट पर भी लगा। यह भी चेताया कि हेराफेरी नहीं चलेगी। ईंटा सप्लायर का बयान कराने का निर्देश भी डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को दिया है।

ब्रजेश पाठक नियामताबाद विकासखंड के महेवां स्थित निर्माणाधीन ट्रामा सेंटर का निरीक्षण करने पहुंचे थे। दोपहर बाद पौने तीन बजे यहां पहुंचे बृजेश पाठक ने पहले भूतल और दितीय तल का निरीक्षण किया। ट्रामा सेंटर के निर्माण कार्य में देरी और उसमें उपयोग किए जा रहे ईंटों को देखकर भड़क गए। दो ईंटों को अपने हाथों में उठाया और पूछा कि यह अव्वल ईंटा है। दोनों ईंटों को आपस में लड़ाते हुए कहा कि आवाज सुन रहे हो। यह दोयम दर्जे का ईंट का उपयोग किया जा रहा है।

इसके बाद ईंट से ईंट बजाई तो वह टूट गई। इस पर कार्यदायी संस्था के मैनेजर ने कहा कि यह रिजेक्टेड ईंट है, इस पर डिप्टी सीएम और भड़क गए। पूछा कि तब ईंट पर क्रास क्यों नहीं लगाया। ईंट को आगे पीछे दिखाते हुए पूछा कि कहां क्रास लगा है।

नीचे पीलर की चौड़ाई पतली और ऊपर से चार इंच का प्लास्टर देखकर भी नाराज हुए। कहा कहीं इतना मोटा प्लास्टर नहीं देखा। कहा कि हेराफेरी नहीं चलेगी। ईंट सप्लाई करने वाले का बयान लेने का भी निर्देश देते हुए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यदायी संस्था को काली सूची में डालिए। एक–एक चवन्नी वापस कराई जाएगी। इसके बाद उन्होंने कठौड़ी गोशाला और एक विद्यालय का निरीक्षण किया।

संभल हिंसाः मृतकों के परिजनों को पांच–पांच लाख रुपये का मुआवजा देगी समाजवादी पार्टी

लखनऊ (आभा)। संभल हिंसा के मामले में समाजवादी पार्टी ने बड़ा ऐलान किया है। सपा ने संभल हिंसा में मारे गए मृतकों के परिजनों को पांच–पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसके अलावा यूपी सरकार 25–25 लाख रुपये का मुआवजा यूपी सरकार देने की मांग की गई है। सपा ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट लिखकर इसकी जानकारी दी। सपा ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, संभल में हुई हिंसा में भाजपा सरकार और प्रशासन की नाकामी से अपनी जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों को समाजवादी पार्टी पांच–पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। यूपी सरकार मृतकों के परिजनों को 25–25 लाख रुपये का मुआवजा दे।

समाजवादी पार्टी (सपा) का एक प्रतिनिधिमंडल हिंसा के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए शनिवार को संभल का दौरा करने वाला था। मुजफ्फरनगर से सपा सांसद हरेन्द्र मलिक को गाजियाबाद से संभल आने से रोक दिया गया। मलिक ने कहा, मेरे समझ में यह नहीं आता कि हमें क्यों रोका जा रहा है। क्या विपक्ष के नेता, सांसद इतने गैर जिम्मेदार हैं कि उन्हें राज्य के भीतर घूमने नहीं दिया जा सकता। वहीं, मुरादाबाद से सपा सांसद रुचि वीरा के आवास को पुलिस ने चारों तरफ से घेर लिया जिससे उन्हें संभल जाने से रोका जा सके। मलिक ने कहा, "हमारे प्रतिनिधिमंडल में संभल से सपा सांसद जिया–उर–हमान बर्क और कैराना से लोकसभा सदस्य इकरा हसन भी शामिल हैं। हम क्या कर सकते हैं। यह सरकार एक निरंकुश शासक की तरह काम कर रही है।" कोई भी संभल की तरफ ना जा सके, यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस द्वारा निगरानी बढ़ाए जाने से गाजियाबाद सीमा पर भारी जाम लग गया। हरेंद्र मलिक को गाजियाबाद में डिवाइडर पर बैठे देखा गया। मलिक ने कहा, "मैं इस हिंसा से प्रभावित लोगों को सांत्वना देने के लिए संभल जाना चाहूंगा। लेकिन यह सरकार सभी चीजों पर अंकुश लगा रही है।

संभल में सपा के प्रतिनिधि मंडल के रोके जाने पर अखिलेश यादव ने भाजपा पर गुस्सा निकाली। अखिलेश ने अपनी पोस्ट में कहा कि भाजपा जैसे पूरी की पूरी कैबिनेट एक साथ बदल देती है, वैसे ही उसे संभल में ऊपर से लेकर नीचे तक का पूरा प्रशासनिक अमले को निलंबित कर देना चाहिए तथा उन पर इंसाजिशन लापरवाहीष का आरोप लगाते हुए सच्ची कार्रवाई करके बर्खास्त भी करना चाहिए और किसी की जान लेने का मुकदमा भी चलना चाहिए। समाजवादी पार्टी ने एक बयान जारी कर कहा, संभल में हुई हिंसा की जांच के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर बनाए गए सपा प्रतिनिधिमंडल में शामिल नेताओं के घरों पर सरकार द्वारा पुलिस लगाकर उन्हें संभल जाने से रोकने की घटना, घोर निंदनीय एवं अलोकतांत्रिक है। भाजपा सरकार संभल हिंसा का सच छिपा रही है। सपा प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने की अनुमति मिले। इस बीच, माता प्रसाद पांडेय ने लखनऊ में अपने आवास के बाहर संवाददाताओं को बताया, गृह सचिव संजय प्रसाद ने मुझे फोन कर संभल नहीं जाने का अनुरोध किया था। संभल के जिलाधिकारी ने भी मुझे फोन कर बताया कि जिले में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक 10 दिसंबर तक के लिए बढ़ा दी गई है। इसलिए मैं अब पार्टी कार्यालय जाऊंगा और इस मुद्दे पर चर्चा करूंगा।

संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसा के बाद यहां शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने 10 दिसंबर तक बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगा दी है।

—सपा प्रतिनिधि मण्डल को संभल जाने से रोके जाने पर रोष

भाजपा के जिला कार्यशाला में संगठन के मजबूती पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा कार्यालय बस्ती में शनिवार को सक्रिय सदस्यता अभियान के द्वितीय चरण एवं आगामी कार्यक्रम की जिला कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने की। इस दौरान मुख्य रूप से जिला चुनाव अधिकारी व प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी डा समीर सिंह मौजूद रहे। चुनाव अधिकारी शंकर लाल लोधी ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसा संगठन है जिसमे हर एक कार्यकर्ता को आगे बढ़ने का मौका मिलता है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से जनहित व लोक कल्याणकारी कार्यो की बदौलत आज संगठन विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बना है। इस गौरव में जमीनी स्तर के हर एक कार्यकर्ता की अहम भूमिका है।

जिला प्रभारी समीर सिंह ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता सदस्यता अभियान को संगठन के महापर्व के रूप में मनाना है। सदस्यता अभियान में सदस्य बनने के लिए ऑनलाइन, नमो एप्प, क्यूआर कोड और फॉर्म भरने की चार व्यवस्था थी। अब उन्ही में से हम को अच्छे कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाते हुए सक्रिय सदस्य बनाना है।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा भाजपा ही एकमात्र ऐसा दल है जिसमें आंतरिक लोकतंत्र है जहां अपने कार्यों के आधार पर बूथ, मंडल और जिला स्तर के पदों के लिए पर्चा दाखिल कर संगठन पर्व चुनाव में भाग लेंगे। कार्यक्रम का संचालन अमृत कुमार वर्मा ने किया।

इस दौरान पवन कसौधन, राम सिंगार ओझा, आनंद सिंह कलहंस, राजेश पाल चौधरी, देवेन्द्र सिंह, अनूप खरे, अनिल दुबे, केडी चौधरी, जगदीश शुक्ल, अरविन्द पाल, आशा सिंह, रोली सिंह, शालिनी मिश्र, दिलीप पाण्डेय, राजकुमार शुक्ल, वैभव पाण्डेय, राकेश शर्मा, सुरेन्द्र सिंह, अभिषेक कुमार, बाल कृष्ण तिवारी, अश्वनी उपाध्याय, चन्द्र शेखर मुन्ना, ब्रह्मदेव यादव, अखण्ड प्रताप सिंह मानस भूषण त्रिपाठी, आनंद सिंह, केके दुबे, कुदन लाल वर्मा, सुनील सिंह, अवनीश सिंह, गौरव अग्रवाल, आदित्य शर्मा मण्डल अध्यक्ष सहित सदस्यता प्रमुख व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सफलता की कुंजी अभियान में विद्यार्थियों को दिया सफलता के टिप्स

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सफलता की कुंजी अभियान के अंतर्गत शनिवार को किसान इंटर कॉलेज परशुरामपुर के परिसर में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को सफलता के टिप्स दिए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरैया विधायक अजय सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ बृजेश कुमार पासवान के नेतृत्व में मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि अनुशासन के साथ कठिन परिश्रम सफलता के लिए जरूरी है। सफलता पाने के लिए निरंतर सीखते रहना चाहिए, सीखने से अनुभव का विकास होता है। कहा कि गलतियों से सीखें, लेकिन उन्हें दोहराएं नहीं। सकारात्मक विचार रखें और आशावादी बने क्योंकि निराशावादी विचारधारा व्यक्ति को कुंठित कर असफलता की ओर धकेलती है। कार्यक्रम के आयोजक विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत जीवन में सफलता के लिए सही दिशा देना और उन्हें प्रेरित करना है। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा सटीक लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच का महत्व आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कहा कि आगामी बोर्ड परीक्षा को देखते हुए आप सब एक योजनाबद्ध तरीके से पढ़ाई करें ताकि सभी लोग अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो सकें।

इस अवसर पर प्रमुख प्रतिनिधि श्रीश पाण्डेय, थाना प्रभारी दिनेश चन्द्र वर्मा, अखिलेश सिंह प्रधान, अरविन्द सिंह, निर्मल सिंह, बबलू पाण्डेय, रघुनाथ सिंह, देवदत्त सिंह, घनश्याम तिवारी, दिनेश चन्द्र गौतम प्रधान, मनीष शर्मा, अमित कुमार चतुर्वेदी, अखिलेश पाण्डेय, मनोज प्रभाकर, अजय कुमार, भानु प्रताप, अखिलेश, ओम प्रकाश पाण्डेय, सुनील सिंह आदि उपस्थित रहे।

—अनुशासन के साथ कठिन परिश्रम सफलता के लिए जरूरी — अजय सिंह

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 दिसम्बर 2024 रविवार

सम्पादकीय

बाल विवाह की कुप्रथा

इक्कीसवीं सदी के भारत में यदि हर पांच में से एक लड़की का विवाह 18 साल से कम उम्र में हो जाए तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। पिछले एक वर्ष में दो लाख बाल विवाह कानून की सख्ती से रोके गए। निश्चित रूप से बाल विवाह मानवाधिकारों का उल्लंघन ही है। जिससे बच्चियां ताउम्र पढ़ाई से वंचित हो जाती हैं और उनका शारीरिक व मानसिक विकास अवरुद्ध हो जाता है। सही मायनों में बाल विवाह कुपोषण एवं गरीबी का ऐसा चक्र पैदा करता है जिसकी कीमत राष्ट्र को चुकानी पड़ती है। चौंकाने वाले आंकड़े हैं कि पश्चिम बंगाल, बिहार व त्रिपुरा में 40 फीसदी लड़कियों के विवाह 18 साल से पहले हो जाते हैं। यही वजह है कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की है। दरअसल, यह शुरुआत उन राज्यों को लेकर की गई है,जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। तथ्य यह भी कि समाज में गरीबी और बाल विवाह में सीधा रिश्ता है। एक अध्ययन के अनुसार 75 फीसदी बाल विवाह गरीब परिवारों में होते हैं। जो कालांतर गरीबी के नये दुश्चक्र को जन्म देते हैं। निश्चित रूप से हमारे समाज में गरीबी व रूढ़िवाद के चलते इस कुप्रथा को बल मिलता है। अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि संपन्न, शिक्षित और प्रगतिशील समाजों में बाल विवाह के मामले सामान्यतरू नजर नहीं आते। वहीं दूसरी ओर लिंगभेद की सोच भी इन विवाहों को बढ़ावा देती है। अभिभावक विषम परिस्थितियों के चलते अल्पवयस्क लड़कियों का विवाह करके जल्दी अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त होना चाहते हैं। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि स्वतंत्रता से पूर्व देश में वर्ष 1929 में बाल विवाह निषेध कानून बनने के बावजूद इस कुप्रथा पर अंकुश क्यों नहीं लग पाया। पहले धारणा थी कि असुरक्षाबोध के चलते बाल विवाह को बढ़ावा मिलता रहा है। कम से कम स्वतंत्र भारत में बाल विवाह की सोच नहीं रहनी चाहिए थी।

निस्संदेह, राजग सरकार के दौरान बाल विवाह उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयास किए गए। हालिया बाल विवाह मुक्त अभियान की शुरुआत से पहले भी सरकार ने इस दिशा में पहल की थी। इससे पहले वर्ष 2006 में बाल विवाह कानून में सुधार किया गया। इसमें लड़कों के विवाह की उम्र 21 व लड़कियों के विवाह की उम्र 18 वर्ष कर दी गई थी। वहीं वर्ष 2021 में राजग सरकार ने 2006 के कानून में सुधार करके लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल करने का प्रस्ताव किया था। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट भारत में 40 फीसदी के करीब लड़कियों के 18 साल से कम उम्र में विवाह होने की बात कहती है। वहीं नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो और नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे हर रोज चार हजार से अधिक बाल विवाह होने का उल्लेख करते हैं। बाल विवाह उन्मूलन की दिशा में असम सरकार की सफलता का अकसर जिक्र होता है, जहां आंकड़ों में तेजी से गिरावट आई है। केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2029 तक बाल विवाह की दर को पांच फीसदी से नीचे लाया जाए। निस्संदेह, बाल विवाह जहां बच्चियों के मौलिक अधिकारों का हनन है, वहीं उनकी शारीरिक व मानसिक क्षमताओं को भी कमतर करता है। इससे जहां लड़कियों के अधिकारों का अतिक्रमण होता है, वहीं उनके शोषण का भी खतरा रहता है। पढ़ाई बीच में छूट जाने से उनके सपने मर जाते हैं। वहीं दूसरी ओर कम उम्र में शादी और बच्चे होने से उनको स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पूरी पढ़ाई न होने तथा नौकरी न कर पाने की स्थिति में वे आर्थिक रूप से पतियों पर आश्रित हो जाती हैं। जिससे उनका स्वाभाविक विकास नहीं हो पाता। जिसके चलते अकसर भावनात्मक विभेद का सामना भी करना पड़ता है। बाल विवाह का होना यह भी बताता है कि हमारे समाज में अभी दहेज प्रथा का दबाव कम नहीं हुआ है। जिससे बचने के लिये अभिभावक तुरत–फुरत अल्पवयस्क लड़कियों की शादी कर देते हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी कि सिर्फ कानून बनाने से ही इस कुरीति पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता, समाज में जागरूकता लाने के लिये भी राष्ट्रव्यापी अभियान चलाना होगा।

जलवायु संरक्षण की अधूरी कोशिश

—दिनेश सी. शर्मा —

बाकू में संपन्न जलवायु वार्ता का नवीनतम दौर (कॉप–29) एक विवादित समझौते के साथ समाप्त हुआ। उम्मीद थी कि इसमें मुख्य विषय जलवायु सुधार के वास्ते वित्तीय प्रबंधन पर केंद्रित रहेगा। यह संदर्भ स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण को लेकर है ताकि जलवायु परिवर्तनों पर लगाम लग पाए और सुधार कार्य अपनाए जाएं। दशकों से, विकासशील देश जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने में प्रभावी उपाय करने के वास्ते अतिरिक्त धन की मांग करते आए हैं।

विकासशील देश चाहते हैं कि अमीर देश अधिक जिम्मेदारी उठाएं क्योंकि वर्तमान संकट के लिए मुख्य रूप से जिम्मेवार वही हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद से उत्तरी गोलार्ध के देशों से हुआ ऐतिहासिक उत्सर्जन ही जलवायु संकट का कारण बना है। जलवायु परिवर्तन सुधार फंड की मात्रा और इसका स्रोत लंबे समय से विकसित और विकासशील देशों के बीच विवाद का विषय रहा है।

इस पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में, बाकू वार्ता में एक अच्छा समझौता बनने की आशा जगी थी। वार्ता के निष्कर्ष में, विकासशील देशों को हर साल जलवायु सुधार के लिए, 2035 तक, कम–से–कम 300 बिलियन डॉलर देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह धन विभिन्न स्रोतों से आएगा– इसमें सार्वजनिक, निजी, द्विपक्षीय, बहुपक्षीय और वैकल्पिक स्रोत भी शामिल हैं। इस वित्तपोषण को उपलब्ध कराने में विकसित देश अग्रणी भूमिका निभाएंगे और विकासशील देशों को स्वेच्छा से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

किंतु बाकू में निर्धारित वित्त लक्ष्य विकासशील देशों द्वारा मांगे गए धन और समय–सीमा से बहुत कम है– 2025 से विकसित देशों द्वारा हर साल इस मद में 1.3 ट्रिलियन डॉलर जुटाए जाने हैं। किंतु, न केवल यह आंकड़ा मांगी गई मात्रा से बहुत कम है बल्कि समय–सीमा भी बहुत दूर है। अब यह पैंतरा उत्तरी गोलार्ध मुल्कों की एक जानी–पहचानी रणनीति बन चुकी है कि किसी भी तत्काल प्रतिबद्धता से बचने के लिए एक कमजोर लक्ष्य और बहुत लंबी समय–सीमा तय कर देना। इसके अलावा, जिस वित्तपोषण का वादा किया गया है वह केवल अमीर मुल्कों से नहीं आएगा। विकासशील देशों को भी इसमें योगदान देना होगा। जाहिर है, इस प्रावधान ने विकासशील देशों को परेशान कर डाला है। वार्ता के अंत में, भारत, बोलीविया और नाइजीरिया ने इस लचर संधि पर अपनी चिंता व्यक्त की, जिसे आधिकारिक तौर पर 'जलवायु वित्त हेतु नवीन सामूहिक मात्रा निर्धारण लक्ष्य' का नाम दिया गया है। भारत ने कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप) के अध्यक्ष पर संयुक्त राष्ट्र के तत्पावधान में निहित बहुपक्षीय वार्ता के मानदंडों का पालन किए बिना समझौते को आगे बढ़ाने का भी आरोप लगाया है।

विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने के लिए वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी की जरूरत है। इसके शमन के लिए धन की आवश्यकता है– उत्सर्जन को महत्वपूर्ण रूप से कम करने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता पड़ेगी। यानी अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं, ऊर्जा दक्षता, जीवित प्राकृतिक संसाधन और भूमि उपयोग का प्रबंधन, थलीय और जलीय जैव विविधता की सुरक्षा, स्वच्छ परिवहन आदि का इंतजाम करने वास्ते धन उपलब्धता।

अतिरिक्त धन की दूसरी प्रमुख आवश्यकता अनुकूलन करने के वास्ते है– प्रतिकूल प्रभावों को अनुकूल बनाना और बदलती जलवायु के प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाना। उदाहरण के लिए, इसमें शामिल हैं : तूफान और बाढ़ का सामना करने लायक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए धन की जरूरत, वर्तमान बुनियादी ढांचा ऊपर उठते समुद्र तल से दूर स्थानांतरित करना, सूखे का सामना करने लायक फसलों के बीज विकसित करना और इनका वितरण। इसके अलावा, 'हानि एवं नुकसान' नामक तीसरी कार्रवाई के लिए धन की आवश्यकता है ताकि जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में देशों को हुए नुकसान की भरपाई हो सके।

पिछले कुछ वर्षों में, जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के तहत जलवायु वित्त के लिए अनेकानेक तंत्र और कोष बनाए गए हैं। इनमें वैश्विक पर्यावरण सुविधा, हरित जलवायु कोष, विशेष जलवायु परिवर्तन कोष, अल्प विकसित देशों का कोष, अनुकूलन कोष आदि शामिल हैं। हालांकि, हकीकत यह है कि विकासशील देशों को उपलब्ध करवाई जाने वाली इन निधियों में धन की आमद बहुत कम रही है। उदाहरणार्थ, ग्रीन क्लाइमेट फंड ने 2020–23 की अवधि के दौरान 129 विकासशील देशों में 243 परियोजनाओं के वास्ते कुल 13.5 बिलियन डॉलर देना मंजूर किया। अनुकूलन कोष ने 2010 से कई विकासशील देशों में 183 अनुकूलन परियोजनाओं के लिए 1.2 बिलियन डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई थी। वहीं अन्य तंत्रों से धन का प्रवाह और भी कम है। कुल मिलाकर, यूएनएफसीसीसी द्वारा प्रवर्तित निधियों और अन्य तंत्रों से उपलब्ध वित्त की मात्रा आवश्यकता से बहुत कम है। इसलिए, बाकू में मांग धन की मात्रा के साथ–साथ गुणवत्ता बढ़ाने की भी थी। लेकिन, धनी पश्चिमी देशों ने वित्तीय लक्ष्य को न्यूनतम रखने और समय सीमा यथासंभव लंबा खींचने के वास्ते हर संभव प्रयास किए। नए और अतिरिक्त वित्तपोषण के लिए प्रतिबद्धता बनाने की बजाय, मौजूदा विकास सहायता को जलवायु वित्तपोषण का ठप्पा लगाकर, नए रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। यह होने पर, बहुपक्षीय वित्तपोषण और विकास वित्तपोषण को जलवायु सहायता के रूप में गिना जाएगा। अब, निजी निवेश के अलावा विकास–बैंक ऋण और सरकारी खर्च द्वारा 'जुटाए गए' निजी वित्त भी बृहद जलवायु वित्त के अंतर्गत आएंगे। इन सबने विकासशील देशों को मिलने वाली मौजूदा विकास सहायता के अलावा मुख्य रूप से सार्वजनिक स्रोतों से प्राप्त वित्तपोषण की गुणवत्ता को भी कमजोर कर डाला है।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प की वापसी और उनके जलवायु विरोधी रुख के हौवे से लाभ उठाते हुए, विकसित देशों ने कमजोर वित्तीय समझौते को आगे बढ़ाया। उन्होंने डर बनाया कि यदि अमेरिका बहुपक्षीय जलवायु ढांचे से बाहर निकल गया, जैसा कि ट्रम्प ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान किया था, तो इसके असर से यूएनएफसीसीसी पटरी से उतर सकता है।

संयुक्त राष्ट्र प्रक्रिया के तहत, अमेरिका, यूरोपीय संघ और जापान सहित 24 विकसित देशों को विकासशील मुल्कों को जलवायु वित्त प्रदान करना है। यदि ट्रम्प के नेतृत्व वाला अमेरिका जलवायु प्रक्रिया से हट जाता है, तो अन्य विकसित देशों को अधिक बोझ उठाना पड़ेगा। इसलिए, विकसित देशों का प्रयास था कि कोई समझौता न बन सके।

बाकू, जलवायु समझौते से जलवायु परिवर्तन का कोई हल निकलेगा, इसकी संभावना नगण्य थी, क्योंकि वास्तविक धन उपलब्ध नहीं है। कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि जारी है और जीवाश्म ईंधन से दूर जाने की दिशा में शायद ही कोई प्रगति हुई है। दुबई में हुए कॉप–28 में कोयला, तेल और गैस आधारित ऊर्जा से धीरे–धीरे परे हटने का आह्वान किया गया था। लेकिन इस आह्वान को मूर्त देने में बाकू में आगे कोई कदम नहीं उठाया गया। इसलिए, अगले कॉप सम्मेलन तक सब कुछ पूर्ववतरू चलता रहेगा।

—लेखक विज्ञान संबंधी मामलों के विशेषज्ञ हैं।

कुपोषण दूर करने की चुनौती

—जयंतीलाल भंडारी—

हाल ही में इंडियन कौंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनामिक रिलेशंस द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि देश पीडीएस के तहत भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकारों द्वारा आपूर्ति किए गए अनाज का 28 फीसदी इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाता है। यानी सालाना करीब दो करोड़ टन अनाज का लीकेज होता है। अर्थव्यवस्था को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ती है। इस वजह से सालाना करीब 69 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का आर्थिक नुकसान होता है। चालू वित्त वर्ष 2024–25 के लिए केंद्र सरकार का खाद्य सब्सिडी बिल 2.05 लाख करोड़ रुपये का है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2016 से राशन की दुकानों में पाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों की शुरुआत से लीकेज में कमी आई है। वर्ष 2011–12 की खपत संख्या के आधार पर शांता कुमार समिति ने कहा था कि पीडीएस व्यवस्था में करीब 46 फीसदी लीकेज है। यद्यपि इस समय इस लीकेज में कमी आई है, लेकिन यह अभी भी काफी अधिक है। ऐसे में जरूरी है कि पीडीएस के लिए बेहतर निगरानी और संरचनात्मक सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाए।

देश में गरीबों पर केंद्रित लक्षित पीडीएस की शुरुआत जून, 1997 में हुई है। इस समय दुनिया में भारत सबसे बड़ी सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली के लिए जाना जाता है। देश भर में मौजूदा पांच लाख से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से निरुशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जाता है। खासतौर से सितंबर, 2013 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के पारित होने के साथ ही पीडीएस व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है। यह अधिनियम देश की 67 फीसदी आबादी को अपने दायरे में लेता है। सरकार के द्वारा कोविड–19 महामारी के दौरान वंचित वर्गों के पात्र लोगों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अतिरिक्त अनाज दिया जाने लगा है और तब से लगातार अब तक केंद्र सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत देश के 81.35 करोड़ लोगों को निरुशुल्क खाद्यान्न मुहैया करा रही है। सरकार ने वर्ष 2028 तक इस योजना का लाभ सुनिश्चित किया है।

देश में कमजोर वर्ग के लोगों को व्यवस्थित रूप से निरुशुल्क खाद्यान्न वितरित किए जाने में पीडीएस की अहम भूमिका है। इससे गरीबी में कमी आ रही है। कई प्रमुख वैश्विक संगठनों के द्वारा जनकी रिपोर्टों में भारत में बहुआयामी गरीबी घटाने में 81 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न दिए जाने और उससे गरीब वर्ग की उत्पादकता बढ़ने के निष्कर्ष भी दिए गए हैं। अमेरिकी के प्रसिद्ध थिंक टैंक द ब्लूकिंग्स इंस्टिट्यूशन की रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां वर्ष 2011–12 में भारत की 12.2 फीसदी आबादी अत्यधिक गरीब थी, वहीं यह वर्ष 2022–23 में घटकर महज दो फीसदी ही रह गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबों की उत्पादकता वृद्धि, तेज विकास और असमानता में कमी के चलते भारत को यह कामयाबी मिली है।

लेकिन अभी भी कमजोर वर्ग तक निरुशुल्क गेहूं और चावल के अलावा पोषण युक्त श्रीअन्न यानी मिलेट्स की उपयुक्त आपूर्ति न होने से करोड़ों लोग पोषण सुरक्षा के मद्देनजर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में प्रकाशित ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) 2024 में भारत 127 देशों में 105वें नंबर पर है। लेकिन भारत के लिए अभी भी हंगर इंडेक्स का स्कोर 27.3 है जो गंभीर बना हुआ है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा जारी रिपोर्ट में भी कहा गया है कि भारत में करीब 74 फीसदी लोगों को पोषण युक्त आहार नहीं मिल पाता है।

निश्चित रूप से देश के 81 करोड़ से अधिक लोगों तक निरुशुल्क खाद्यान्न वितरण, इच्छित लाभार्थियों तक इसकी उपयुक्त पहुंच और पोषण युक्त खाद्यान्न की आपूर्ति सुनिश्चित करने के मद्देनजर देश की पीडीएस व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करना होगा। मौजूदा पीडीएस व्यवस्था को इस तरह सुधारना होगा, जिससे सरकार गरीबों के कल्याण और गरीबी निवारण लक्ष्य को पाने के लिए आगे बढ़ सके और वास्तविक लाभार्थी इसके लाभों को प्राप्त कर सके। पीडीएस के तहत प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण में ऐसे परिवर्तन की संभावना तलाशना जरूरी है, जिससे इस व्यवस्था की पारदर्शिता बढ़ाई जा सके और अकुशलता में भी कमी की जा सके। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक राशन कार्ड के डिजिटलीकरण के चलते देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक कारगर बनाने के लिए आधार एवं ईकेवाईसी प्रणाली के माध्यम से सत्यापन कराने के बाद अब तक फर्जी पाए गए 5 करोड़ 80 लाख से अधिक राशन कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। चूंकि अभी तक पीडीएस लाभार्थियों में से करीब 64 फीसदी का ही ईकेवाईसी किया गया है, अतएव शेष का ईकेवाईसी तेजी से बढ़ाकर पीडीएस को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस की उपयोगिता और खतरे

—पूरन चंद सरीन—

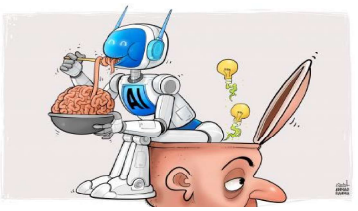

मानव और मशीन का गठजोड़ रू जब दशकों पहले दिल्ली के प्रगति मैदान में लगे मेले में पहली बार टैलीविजन और उसमें से बोलते चेहरे की आवाज लोगों ने सुनी तो आंख और कान पर यकीन नहीं हो पा रहा था। हर व्यक्ति की जुबान पर चर्चा थी। टैलीफोन का आविष्कार बहुत पहले हो गया था लेकिन जब एक डिबिया के आकार में इसका वजूद समा गया और दुनिया में कहीं भी बिना किसी तार या कनैक्शन के बात होने लगी तो सोचा कि 'ऐसा भी हो सकता है' और जब बात करने वाले एक–दूसरे को देख भी सकते हों, चाहे सात समंदर पार हों, तब यह अजूबा ही लगा।

कम्प्यूटर का बड़ा–सा डिब्बा अपने पूरे ताम–झाम के साथ घरों और दफ्तरों में पहुंचा तो यह कमाल लगा। इसकी बदौलत कुछ भी करना सुगम हुआ तो वाहवाही करनी ही थी। अब यह छोटे से मोबाइल फोन की स्क्रीन हो या आदमकद टी.वी. स्क्रीन, ज्ञान बतियाने और बांटने से लेकर खेल खेलना और मनोरंजन का लुत्फ उठाना उंगलियों से बटन दबाते ही होने लगा है। मुंह से निकलता है कि 'अब और क्या'? इसका जवाब भी मिल गया और हमारे सामने आर्ट्टफिशियल इंटैलीजैंस का संसार आ गया। इसके आगे क्या होगा उसके लिए आश्चर्यचकित होने का स्थान अब जिज्ञासा और उत्सुकता ने ले लिया है। इंसान का दिमाग क्या और कहां तक सोच सकता है, उसे व्यवहार में लाकर एक तरह से किसी भी चीज की काया पलट कैसे हो सकती है या की जा सकती है, इतना ही समझ लेना काफी है। जब हम इस नई टैक्नोलॉजी की बात करते हैं तो मनुष्य के लिए कुछ भी असंभव नहीं नजर आता। वह मशीन को अपने इशारों पर नचा सकता है या कहें कि वह सब करवा सकता है जो उसके दिमाग में चल रहा है।

यहां इस बात पर गौर करना होगा कि मशीन अपनी मर्जी से कुछ नहीं कर सकती। कमान इंसान के हाथ में रहती है, ठीक उसी तरह जैसे चिराग से निकले जिन्न को वही करना होता है जो आका का हुक्म हो। असावधानी या गलतफहमी के कारण गलती हो गई तब यह मशीन छुट्टे सांड की तरह कितनी तबाही मचा सकने में सक्षम है, इसकी कल्पना भी करना कठिन है।

आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस की गहराई तक जाने की एक सामान्य व्यक्ति को न तो जरूरत है और न ही उसके लिए आसान है। इतना ही समझना पर्याप्त है कि अब इसके इस्तेमाल से घर बैठे ही अपने बही खाते, उतार–चढ़ाव, फेरबदल, बाजार की उठा पटक पर नजर ही नहीं, उसमें अपने हिसाब से परिवर्तन किया जा सकता है। जो बिजनैस करते हैं, उद्योग धंधे चलाते हैं और जिनके लिए पलक झपकने का अर्थ लाखों–करोड़ों के वारे–न्यारे हैं, यह टैक्नोलॉजी वरदान है। इसी तरह जो प्रोफैशनल व्यक्ति टैक्स, वकालत, कंसल्टैंसी या फिल्म निर्माण के क्षेत्र में हैं, वे महीनों का काम दिनों और घंटों का मिनटों में कर सकते हैं।

हमारे देश में योग्यता की कोई कमी नहीं है लेकिन इसी के साथ काबिल बनाने वालों और कार्यकुशलता बढ़ाने वालों का जबरदस्त अभाव है। इसका परिणाम यह होता है कि लोग गलती करने के बाद सीखते हैं और दौड़ में पिछड़ जाते हैं। उदाहरण के लिए जब मशीन में पुराने आंकड़े या डाटा डाला या फीड किया जाता है तो उसमें से जो रिजल्ट निकलेगा वह तो कचरा ही होगा। दुर्भाग्य से यही कचरा हमारे लिए नीतियां बनाने वाले इस्तेमाल में लाते हैं और नतीजे के तौर पर असफलता ही हाथ लगती है। शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, बेरोजगारी, गरीबी हटाने से लेकर प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण तथा जनसंख्या तक के आंकड़े दसियों साल पुराने होने के कारण हरेक क्षेत्र में खींचातानी और अपना दोष दूसरे के सिर मढने जैसा वातावरण है। सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग चाहे राजनीति हों या आध्थक विशेषज्ञ जिन पर जन कल्याण की योजनाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी है वे योग्य तथा प्रतिभाशाली नहीं होंगे, चाहे दुनिया कितनी आगे बढ़ जाए, हमारा पीछे रहना भाग्य के लेखे की तरह है।

लाभ और हानि की तुलना आवश्यक रू आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस टैक्नोलॉजी के जितने फायदे हैं, उनकी तुलना में नुकसान भी कम नहीं हैं बशर्ते कि सावधानी न बरती गई हो। नकली आवाज, वही चेहरा, हावभाव, उठने–बैठने से लेकर बातचीत करने का अंदाज तक हू–ब–हू कॉपी किया जा सकता है। साइबरक्राइम के खतरे शुरू हो चुके हैं, लूटपाट और चोरी–डकैती के लिए घर में सेंध लगाने की जरूरत नहीं, इस टैक्नोलॉजी के गलत इस्तेमाल से यह सब कुछ आसानी से किया जा सकता है। डिजिटल अरैस्ट, बिना जानकारी खाते खाली, जिंदगी भर की बचत पल भर में साफ, कौन अपना कौन पराया और कौन बन जाए बेगैरत और बेगाना, कुछ भी हो सकता है। जरूरी है यह समझना कि चाहे कोई कितना भी अपना बनकर कोई जानकारी मांगे तो उसे पहली बार तो टाल ही दें। फिर पूरी जांच–पड़ताल करें, बैंक से पूछें, दोस्तों और रिश्तेदारों से सांझा करें और तब ही कुछ करें या कहें जब आश्वस्त हो जाएं कि कुछ गड़बड़ नहीं है। डराने या धमकाने और गिरफ्तार होने की संभावना पर यकीन न करें। यही मानकर चलें कि नकल का बाजार गरम है और अक्ल का इस्तेमाल करना है। बहकने या भुलावे की कोई गुंजाइश नहीं, जो नहीं दिख रहा उसे देखने की कोशिश करें। इतना ही करना एक आम आदमी के लिए पर्याप्त है वरना लुटेरे तो अपना जाल बिछाए बैठे ही हैं।

कार ने टेंपो में मारी टक्कर, पांच की मौत, छह की हालत नाजुक

संवाददाता–श्रावस्ती। शनिवार को नेशनल हाईवे–730 पर भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार ने टेंपो में टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि छह लोगों की हालत गंभीर है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घायलों को अस्पताल भेजा। हादसा इकौना थाना क्षेत्र के मोहनीपुर तिराहे पर हुआ। बस्ती जिले के थाना सोरहा अंतर्गत नव्वागांव निवासी विजय चौधरी (32) पुत्र रामअचल अपनी एसयूवी कार यूपी 51 एआर 3569 बनवाने के लिए बहराइच लाया था। जहां से शनिवार को वह वापस लौट रहा था। इस दौरान कार गांव का ही सोहराब (42) पुत्र सफीउल्लाह भी था। जैसे ही विजय कार लेकर बौद्ध परिपथ स्थित इकौना थाना क्षेत्र के मोहनीपुर पहुंचा। तभी रफ्तार काफी तेज होने के कारण अचानक सामने जा रही टेंपो को देख नियंत्रण खो बैठा। इससे कार अनियंत्रित हो आगे जा रही टेंपो से टकरा गई। रफ्तार तेज होने के कारण कार व टेंपो मार्ग किनारे करीब दस फीट दूर खड्ड में जा गिरा।

घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। इस दौरान घटना में टेंपो सवार गिलौला के मोहम्मदानपुर निवासी अयोध्या प्रसाद (60) पुत्र चूड़ामणि व बहराइच के धरसवा निवासी मुरलीधर पुत्र जोखू की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कार सवार सहित नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर थाना प्रभारी अश्विनी दुबे के साथ पहुंचे सीओ सतीश शर्मा ने सभी घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी इकौना पहुंचाया।

वहां चिकित्सक ने टेंपो सवार इकौना थाना क्षेत्र के पांडेय पुरवा निवासी लल्लन (44) पुत्र सूबेदार व बरईपुर निवासी ननके यादव (30) पुत्र मंगल प्रसाद तथा बहराइच के पयागपुर थाना क्षेत्र के वीरपुर सेवनाहे निवासी रफीक (40) पुत्र इद्रीस को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल कार सवार सहित पांडेय पुरवा निवासी सुबेदार (70) पुत्र हीरालाल, थाना कोतवाली देहात बहराइच के धरसवा निवासी नागेश्वर प्रसाद (48) पुत्र सतगुरु, पयागपुर के वीरपुर सेवनाहे निवासी साकिरा बानो (35) पत्नी सलमान व पांडेय पुरवा निवासी शिवराम (22) पुत्र पाटनदीन को मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया है। वहीं पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को देने के साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है।

इकौना के मोहनीपुर में हुए सड़क हादसे को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के आश्रितों को आर्थिक मदद देने व घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने तथा उन्हें आर्थिक सहायता देने को कहा है। साथ ही मुख्यमंत्री ने डीएम व एसपी ने तत्काल मौके पर जाकर पीड़ितों की हर संभव मदद करने तथा उन्हें बेहतर इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया है।

साइबर अपराध व उससे बचाव की दिया जानकारी

संवाददाता–गोण्डा। साइबर अपराधों की रोकथाम और लोगों को सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार व सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एडिशनल एसपी राधे श्याम राय तथा एसडीम तरबगंज विशाल कुमार तथा क्षेत्राधिकारी विनय कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना पुलिस ने शनिवार को थाना प्रांगण में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया। थाना प्रभारी नरेंद्र प्रताप राय ने प्रबुद्ध जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के व्यापारियों व नागरिकों को आमंत्रित कर सभी को साइबर अपराध और उससे बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी । एडिशनल एसपी ने साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि यदि साइबर धोखाधड़ी हो, तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें, जिससे धनराशि को खाते में होल्ड कराया जा सके। बैंक कभी भी फोन के माध्यम से व्यक्तिगत जानकारी, ओटीपी, सीवीवी या पिन नंबर नहीं मांगता। ऐसे किसी भी कॉल पर जानकारी साझा न करें और किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर कोई भी ऐप डाउनलोड न करें।किसी वेबसाइट पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले उसकी प्रामाणिकता की जांच करें। कस्टमर केयर नंबर हमेशा आधिकारिक वेबसाइट से ही प्राप्त करें। अज्ञात नंबर या व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक न करें। पैसे प्राप्त करते समय यूपीआई आईडी या पासवर्ड डालने की आवश्यकता नहीं होती। अपने सोशल मीडिया और बैंक खातों के पासवर्ड मजबूत बनाएं। पासवर्ड में नंबर, अक्षर और चिन्ह शामिल करें और टू–स्टेप वेरीफिकेशन का उपयोग करें। यदि कोई पुलिस अधिकारी बनकर ऑनलाइन धमकाए या पैसे की मांग करे, तो तुरंत नजदीकी थाने में शिकायत करें। साइबर जागरूकता अभियान में शामिल एसडीएम विशाल कुमार ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को डिजिटल धोखाधड़ी से बचाना और सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण तैयार करना है।

अयोध्या और विभिन्न क्षेत्रों से चुराई गई 10 बाइक बरामद, दो शातिर चोर गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। नबाबगंज पुलिस ने शनिवार को एक अन्तर्जनपदीय आटो लिफ्टर गिरोह का भाण्डाफोड किया है। पुलिस ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से चोरी की 10 बाईकें बरामद किया है। बरामद की गई बाईकें बस्ती, अयोध्या और गोण्डा जिले के अलग – अलग स्थानों से उठाई गईं थीं । बरामद बाईकों में आधा दर्जन मोटर साईकिल के मालिकों द्वारा अलग – अलग थानों में चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया था।

प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायन सिंह ने बताया कि शनिवार की सुबह गोंडा अयोध्या हाईवे पर दुल्लापुर रालवे क्रासिंग पर पुलिस टीम द्वारा की जा रही वाहन चेकिंग के दौरान दो लोगों को चोरी के स्पेलंडर बाईक के साथ गिरफ्तार कर लिया गया । अभियुक्तों से पुछताछ के बाद अन्य 9 चोरी की गई बाईकों को पुलिस ने शुगर मिल क्षेत्र से बरामद किया। पुलिस के हत्थे चढ़े अभियुक्तों में पहला विजय पाण्डेय पुत्र सुरेन्द्र पाण्डेय जिले के वजीरगंज थानाक्षेत्र के टीकरी गांव का रहने वाला है। वहीं दूसरा अमित मिश्रा पुत्र चन्द्र प्रकाश मिश्रा नबाबगंज के मंहगपुर गांव का निवासी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को शनिवार को मजिस्ट्रेट के समक्ष रिमांड के लिए प्रस्तुत किया। बरामद बाईकों में 6 स्पेलण्डर प्लस, दो हीरो डिलक्स, एक अपाचे और एक पल्सर शामिल है। आटो लिफ्टर गिरोह के दोनों सदस्यों को गिरफ्तार और दस बाईकों को बरामद करने वाली पुलिस टीम में सरजू घाट चौकी प्रभारी संजीव सिंह, एसआई उत्कर्ष पाण्डेय, राजीव कन्नौजिया, हेड कान्सटेबिल विपिन सिंह, राज किशोर, सुनील यादव और अरविन्द रहें।

राम बुझारथ अध्यक्ष व संजय जिला बार के महामंत्री बने

संवाददाता–गोण्डा। जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष पद पर राम बुझारथ द्विवेदी व संजय सिंह महामंत्री निर्वाचित घोषित किए गए। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों ने जोश व उत्साह के साथ नारेबाजी करते हुए फूल मालाओं के साथ जीते हुए पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया। एक दूसरे के गले मिलकर जीत की बधाई दी। शुक्रवार को हुए बार एसोसिएशन चुनाव में कुल छियालीस प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक मतदान हुआ, उसके बाद देर रात मतगणना हुई, जिसके बाद चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए। एल्डर कमेटी के अध्यक्ष शेष नारायण तिवारी ने बताया कि कुल 1717 मतदाताओं के सापेक्ष 1517 मत पड़े। देर रात चली मतगणना में कांटे की टक्कर में राम बुझारत द्विवेदी ने 472 मत प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी रविचंद्र त्रिपाठी को 56 मतों से हराकर अध्यक्ष की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया। वहीं संजय कुमार सिंह ने 451 मत पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुनील कुमार पाण्डेय को 81 मतों से पराजित कर महामंत्री पद पर जीत दर्ज की। वरिष्ठतम उपाध्यक्ष पद पर संत बखध्श मिश्रा निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सुशील कुमार मिश्रा व अक्ष किशोर पांडेय , कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर विमल प्रकाश मिश्र व राज किशोर चतुर्वेदी, संयुक्त मंत्री पद पर रमेश कुमार चौबे, राजकुमार द्विवेदी व सुनीत कुंवर श्रीवास्तव ने जीत दर्ज की। कनिष्ठ कार्यकारिणी में हिमांशु ओझा, यशी द्विवेदी,सौरभ पाण्डेय, आशुतोष चौबे, अजीत कुमार जायसवाल व आशीष कुमार श्रीवास्तव विजयी घोषित किए गए। चुनाव परिणाम घोषित होते ही समर्थकों ने जोश व उत्साह के साथ नारेबाजी की और विजयी प्रत्याशियों का माल्यार्पण कर उनका जोरदार स्वागत किया। चुनाव को संपन्न कराने में बार एसोसिएशन के एल्डर कमेटी के अध्यक्ष शेष नारायण तिवारी, सदस्य वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी, ब्रह्मानंद सिंह, अनिल देव शुक्ला, सैयद सफदर हाशमी,इन्दु प्रकाश तिवारी,डी पी ओझा, प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव, रसिक बिहारी तिवारी, राजेश कुमार ओझा, दिनेश कुमार मिश्रा प्रखर आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

सुरक्षित सफर के लिए यातायात नियम जरूरी–दद्दन

संवाददाता–श्रावस्ती। सड़क सुरक्षा को लेकर यातायात माह मनाया जा रहा था। जिसका समापन शनिवार को किया गया। समापन के मौके पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ाया गया साथ ही हेलमेट का वितरण किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव व क्षेत्राधिकारी यातायात आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व में शनिवार को हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के बदला चौराहे पर यातायात जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा व विशिष्ट अतिथि एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा रहे। कार्यक्रम में कृष्णा आदर्श इण्टर कालेज गिरंट के छात्र छात्राओं के साथ क्षेत्र के भारी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में लोगों को सुरक्षित सफर के लिए यातायात नियम का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई साथ ही हमेशा यातायात नियम का पालन करते हुए ही वाहन चलाने की अपील की गई। दद्दन मिश्रा ने कहा कि सुरक्षित सफर के लिए यातायात नियम का पालन करना जरूरी है। एडीएम अमरेन्द्र वर्मा ने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय नियम का पालन जरूर करें। जिससे दुर्घटना से बचे रहेंगे। प्रभारी यातायात मोहम्मद शमीम ने लोगों को यातायात नियम बताए। इस दौरान सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद करने नूर खान, शमशेर खान, वारिस अली, शौकत अली, दिनेश यादव समेत 25 लोगों को निशुल्क हेलमेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष अरविंद गुप्ता, उपाध्यक्ष मुजम्मिल अहमद, उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष दीनानाथ गुप्ता आदि मौजूद रहे।

इतिहास लेखन में शैली का विशेष महत्व है –प्रोफेसर शर्मा

संवाददाता–गोण्डा। शहर के एलबीएस पीजी कॉलेज में शनिवार को साहित्य परिषद हिंदी विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। अवधी साहित्य पुनर्लेखन की समस्याएं विषय पर आयोजित व्याख्यान के मुख्य अतिथि प्रो. गंगा प्रसाद शर्मा श्गुणशेखरश् ने कहा कि इतिहास लेखन में शैली का विशेष महत्व है। जिसका प्रायरू ध्यान नहीं रखा जाता। उन्होंने कहा कि इतिहास लेखन के लिए सबसे जरूरी ईमानदारी, निष्पक्षता, पूर्वग्रहमुक्तता, स्वार्थरहितता, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता है। प्रो. शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र चरित्रहीन हो गया है। चरित्रहीन लोकतंत्र की नैतिकता चांदी के उन विद्युत तारों में बहती है। जिसे अक्सर चोर काट ले जाते हैं। ऐसे चोरों से हमें तारों को बचाने की आवश्यकता है, जिसमें करुणा और मनुष्यता की धारा प्रवाहित हो रही है। हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र नाथ मिश्र ने बताया कि गुणशेखर एलबीएस अकादमी मसूरी में प्रशासनिक अधिकारियों को शिक्षण व प्रशिक्षण का कार्य करते रहे हैं। कई वर्षों तक ग्वांगतोंग विश्वविद्यालय चीन में हिंदी भाषा और साहित्य का शिक्षण कार्य किया है। इसके अतिरिक्त दुनिया के कई देशों में यात्राएं करते हुए हिंदी भाषा–साहित्य और भारतीय संस्कृति का प्रचार–प्रसार किया है। प्राचार्य प्रो. रविंद्र कुमार पांडे ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने आयोजन के लिए हिंदी विभाग के प्रति शुभाशंसा प्रकट की। इस दौरान नैक समन्वयक प्रो. जितेंद्र सिंह, डॉ. रंजन शर्मा, प्रो. संदीप कुमार श्रीवास्तव, जीतेशकांत पांडेय, काजल ओझा, सदस्य मधु दूबे, हर्षिता सिंह, डॉ. मुक्ता टंडन, डॉ. चमन कौर, अच्युत शुक्ला, पवन सिंह, जमुना प्रसाद सहित अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के प्रो. जयशंकर तिवारी ने किया।

हल्के में लेखपालों के निवास न करने पर राजस्व परिषद नाराज

संवाददाता–गोण्डा। राजस्व विभाग के लेखपाल अपने हल्का क्षेत्र में निवास नहीं कर रहे हैं, जिससे सरकारी कार्य बाधित हो रहा है। इसका संज्ञान राजस्व परिषद ने लेते हुए गहरी नाराजगी जताते प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर कहा कि इस आशय का प्रमाण पत्र डीएम देकर अवगत कराएं कि जनपद के सभी तहसीलों में तैनात लेखपाल अपने हल्का क्षेत्र में निवास कर रहे हैं। राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश लेखपाल सेवा नियमावली 2006 के नियम –26 में प्राविधानित है कि लेखपाल अपने हल्का के भीतर ही निवास करेगा। जब तक कि उसने अपने निवास से बाहर रहने की अनुज्ञा कलेक्टर से प्राप्त न कर ली हो ।इस व्यावस्था का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। जिससे शासकीय कार्य प्रभावित हो रहा है। जिसके लिए राजस्व परिषद की अध्यक्ष ध्स्चिव मनीषा त्रिघाटिया ने निर्देश जारी किया है। इस संबन्ध में डीएम नेहा शर्मा ने मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश के माध्यम से सभी उपजिलाधिकारियों को पत्र भेजकर राजस्व परिषद के आदेश का अनुपालन कराने तथा एक सप्ताह में प्रमाण पत्र जिला मुख्यालय भिजवाने का फरमान जारी किया है।

श्री अभयदाता हनुमान मंदिर के महंत बने जयरामदास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्रीधाम अयोध्या के जानकी घाट मोहल्ले में स्थित श्री हरिहर सेवा सदन श्री अभयदाता हनुमान मंदिर का महंत साकेत वासी अनंत श्री विभूषित हरिचरण दास जी महाराज के उत्तराधिकारी कृपा पात्र शिष्य जय रामदास को संतो महंतों के उपस्थिति में सनातन वैष्णो परंपरा के अनुसार कंठी, चद्दर, तिलक देकर के महंत बनाया गया। जयराम दास जी महाराज गुरु परंपरा का निर्वहन करते हुए आश्रम में संत सेवा दरिद्र नारायण की सेवा अन्न क्षेत्र जैसे पूर्व संचालित होता रहा है वैसे संचालित करते रहेंगे। महंत जयराम दास जी महाराज ने बताया कि गुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से अयोध्या धाम में जो भी सेवाएं चल रही थी वह चलती रहेगी और इसके साथ–साथ पूरे भारत में जितने भी आश्रम हैं उन सभी पर गुरुदेव भगवान की कृपा और आशीर्वाद से सभी सेवाएं चलती रहेगी सभी उत्सव सवैया सेवा का कार्य समय से किया जाएगा उसमें कोई कमी नहीं आएगी। महंती समारोह में जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास,नागा राम लखन दास, बड़े हनुमान मंदिर के अधिकारी छवि राम दास, विद्या कुंड चतुर्भुजी मंदिर के महंत शैलेश दास, महंत धर्मदास, श्रृंगारकुंज के महंत हरिभजन दास, मठ मैथिली रमन शरण, प्रेम मूर्ति कृष्ण कांत दास, वैदेही भवन मंदिर के महंत राम की शरण, सहित सैकड़ो संतों महंतों ने महंत जय रामदास को अयोध्या धाम में स्थित हरिहर सेवा सदन अभयदाता हनुमान मंदिर का महंत नियुक्त किया। संजय शास्त्री ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार किए।

विश्व कल्याण के लिए महंत रामनरेश शरण के संयोजन में हुआ रामार्चा पूजन

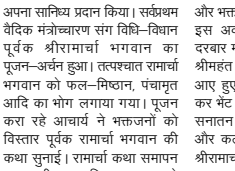

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या के कनक भवन परिसर में विराजमान सिद्ध पीठ श्री लालसाहब दरबार मंदिर मे शनिवार को विश्व कल्याण के लिए रामार्चा पूजन का आयोजन हुआ। महोत्सव पर पूरा मंदिर परिसर आहलादित नजर आया। जो उत्सव की चकाचौंध में डूबा रहा। रामार्चा पूजा पर कई धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। यह रामार्चा पूजन सनातन धर्म की रक्षा, विश्व शांति एवं कल्याण के लिए आयोजित किया गया था। जिसे श्री लाल साहब दरबार के पीठाधीश्वर महंत रामनरेश शरण महाराज ने अपना सानिध्य प्रदान किया। सर्वप्रथम वैदिक मंत्रोच्चारण संग विधि–विधान पूर्वक श्रीरामार्चा भगवान का पूजन–अर्चन हुआ। तत्पश्चात रामार्चा भगवान को फल–मिष्ठान, पंचामृत आदि का भोग लगाया गया। पूजन करा रहे आचार्य ने भक्तजनों को विस्तार पूर्वक रामार्चा भगवान की कथा सुनाई। रामार्चा कथा समापन पर आरती–पूजन किया गया। उसके बाद प्रसाद वितरण हुआ। श्रीरामार्चा पूजन में सम्मिलित होकर साधु–संत व भक्तजनों ने अपना जीवन धन्य बनाया। इससे पहले मंदिर के गर्भगृह में विराजमान श्री लाल साहब भगवान समेत अन्य देवी–देवताओं को नवीन वस्त्र धारण कराकर दिव्य श्रृंगार किया गया। तद्परांत वैदिक मंत्रोच्चार संग उनका पूजन–अर्चन हुआ। फिर विविध व्यंजनों का भोग लगाकर आरती उतारी। अंत में संतों और भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री लाल साहब दरबार मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीमहंत रामनरेश शरण महाराज ने आए हुए संतों का स्वागत–सत्कार कर भेंट विदाई दी। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा, विश्व शांति और कल्याण हेतु आश्रम प्रांगण में श्रीरामार्चा पूजन का आयोजन किया गया। लोगों में विश्व बंधुत्व व आपसी–भाईचारा बना रहे। देश खुशहाली के पथ पर अग्रसर हो। वह नित्य नई ऊंचाइयों को छुए। पूरी दुनिया में भारत देश का नाम रोशन हो और डंका बजे। भारत देश फिर से विश्व गुरु बने। रामार्चा पूजन सुबह से प्रारंभ होकर शाम तक चला।

अब डीटीआई के ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक पर लगाए जाएंगे सेंसर

संवाददाता–गोण्डा। संभागीय परिवहन विभाग के डीटीआई (ड्राइविंग टेस्ट इंस्टिट्यूट) में स्थित ट्रैक सेंसर युक्त किए जाएंगे। सेंसर लगाने की जिम्मेदारी आटो सेक्टर की एक बड़ी कम्पनी को दी गई है। कंपनी ने ट्रैक पर सेंसर लगाने का काम भी शुरु कर दिया है। सबकुछ ठीक–ठाक रहा तो अगले वर्ष सेंसर युक्त ट्रैक से ड्रायविंग की परीक्षा पास करने के बाद ही लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस मिल पाएगा। ड्रायविंग लाइसेंस बनवाने के कार्य को परिवहन विभाग लगातार पारदर्शी बनाता जा रहा है। पहले आरटीओ दफ्तर में ही परीक्षा लेकर लाइसेंस जारी कर दिए जाते थे लेकिन अब आनलाइन आवेदन करने के बाद डीटीआई में बायोमेट्रिक होती है और भी वहीं पर स्थित ट्रैक पर गाड़ी चलवाकर देखा जाता है। टेस्ट में पास होने के बाद ही लाइसेंस आनलाइन जारी किया जाता है। लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया को अब और पारदर्शी बनाने की ओर विभाग एक कदम और बढ़ा है। अब ट्रैक को सेंसर युक्त बनाया जाएगा।

सेंसर न लगा होने से ट्रैक के एक किनारे पर खड़े अफसर टेस्ट देने आए चालक की ठीक से मानीटरिंग नहीं कर पाते थे। ट्रैक के किनारे – किनारे बनाई गई सफेद लाइन पर पहिया चढ़ जाने के बाद भी चालक पास हो जाता था और ड्रायविंग लाइसेंस जारी हो जाता था लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। ट्रैक की सफेद लाइन पर पहिया छू जाते ही सेंसर बता देगा।

बाइक, छोटी गाड़ी व हैवी गाड़ी के लिए तीन ट्रैक डीटीआई में बनाए गए हैं। तीनों ट्रैक मिलाकर कुल एक दर्जन से अधिक कैमरे भी लगाए जाएंगे, जो गाड़ी चलाते समय हर एंगल से नजर रखेंगे। वहीं कैमरों की मानीटरिंग के लिए एक कंट्रोल रूम भी बनाया जाएगा। कंट्रोल रूम में टेस्ट की पूरी रिकार्डिंग रहेगी, विभागीय अफसर उसे पूरा देखकर ही टेस्ट देने आए चालक को पास करेंगे। अगर थोड़ी भी इधर–उधर गाड़ी हुई तो सेंसर तुरंत बता देगा।

आरसी भारतीय, एआरटीओ प्रशासन ध्रवर्तन ने कहा कि डीटीआई में बने तीनों ड्रायविंग ट्रैकों को सेंसर युक्त किया जा रहा है। सेंसर लगाने वाली कंपनी ने अपना काम भी शुरू कर दिया है। अगले वर्ष तक सेंसर लगने का काम पूरा होने की उम्मीद जताई जा रही है। लोगों को अगले साल सेंसर युक्त ट्रैक से गुजरकर ड्रायविंग लाइसेंस की परीक्षा पास करनी होगी।

मां छोटी देवकाली पर उडुपी अयोध्या फूड प्लाजा का हुआ उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में भारत ही नहीं बल्कि विश्व से पर्यटक आ रहे हैं और पर्यटकों की संख्या देखकर अयोध्या धाम की तरफ विश्व के लोगों की रुझान बड़ी है और वर्तमान समय में अधिक संख्या दक्षिण भारत की है और दक्षिण भारत के व्यंजन को उत्तर भारत में परोस कर उसकी तरफ रुझान बढ़ाने के लिए अयोध्या में स्थित मां छोटी देवकाली मंदिर के बगल उडुपी अयोध्या फूड प्लाजा का उद्घाटन जगतगुरु माध्वाचार्य विश्वप्रसन्नतीर्थ महाराज, जगतगुरू रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी और अयोध्या के महापौर गिरिशपति त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम का संचालन आशीष मिश्रा ने किया। स्वामी विश्वप्रसन्नतीर्थ महाराज ने कहा कि अयोध्या भगवान श्री राम की राजधानी है और यहां सभी प्रकार की व्यवस्थाएं होनी चाहिए और दक्षिण भारत के व्यंजनों को भी अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगा इसके लिए मैं सबको शुभकामना देता हूं। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या विश्व पटल पर छाई हुई है और हमारी सरकार भी अयोध्या को सबसे सुंदर नगरी बनाने में लगी हुई है और लोग अयोध्या आकर अपना व्यापार बढ़ाएंगे इससे रोजगार भी बढ़ेगा। जगतगुरु स्वामी रामदिनेशाचार्य ने कहा कि यह प्रभु श्री राम की राजधानी है यहां सभी सुख सुविधा होनी चाहिए इसी क्रम में अयोध्या आगे बढ़ रही है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि श्री राम मंदिर आंदोलन में पेजावर मठ के स्वामी विश्वेश तीर्थ स्वामी का बहुत योगदान रहा निरंतर वह आंदोलन से जुड़े रहे आज मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि अयोध्या में ऐसे प्रतिष्ठान जो बड़े–बड़े शहरों में खुलते थे। अतिथियों का स्वागत उडुपी अयोध्या फूड प्लाजा के ओनर के साथ नंद कुमार मिश्रा पेड़ा महराज अनुराग मिश्रा, आशीष मिश्रा के साथ उनके सहयोगियों ने की।

डीएम व एसपी ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

संवाददाता–गोण्डा। जिला कारागार का शनिवार को डीएम नेहा शर्मा और एसपी विनीत जायसवाल ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वहां पर कैदियों से वार्ता कर दी जा रही सुविधाओं व समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। डीएम और एसपी ने कारागार अस्पताल में जाकर भर्ती कैदियों से मुलाकात किया। इसके बाद बैरकों, अस्पताल, भोजनालय, भंडार कक्ष, पुस्तकालय का निरीक्षण किया। डीएम ने संबंधित को निर्देश दिए कि जेल में जेल मैनुअल के अनुसार कैदियों को सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। इसके साथ ही ऐसे कैदी जिनके पास वकील नहीं है उनके लिए सरकारी वकील का भी प्रबंध कराया जाए। डीएम ने जेल में निरुद्ध कैदियों का बराबर मेडिकल चेकअप कराने के भी निर्देश दिए। ठंड के दौरान सभी कैदियों को ठंड से बचाव के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कर लें। डीएम और एसपी ने जेल में बंदियों को दिए जा रहे खाने का स्वाद चखकर गुणवत्ता परखी । निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक अपूर्व व्रत पाठक, डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पशु आरोग्य मेले का आयोजन किया गया

संवाददाता–गोण्डा। पंडित दीनदयाल पशु आरोग्य मेले में किसानों और पशुपालकों को अनेक टिप्स दिए गए। क्षेत्र के ग्राम पंचायत दरियापुर में आयोजित पशु आरोग्य मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी किसानों दी। उन्होंने बताया कि किसानों को निशुल्क दवाइयों का वितरण किया जा रहा है। जिसका लाभ सही से लें ।उन्होंने बताया कि किसान अच्छी नस्ल के पशुओं को पाले जिससें खेती के साथ साथ दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके। किसान आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। डॉ विशाल यादव ने किसानों को पशुपालन से संबंधित टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि पशुओं का समय से टीकाकरण कराया जाय। आहार और रखरखाव का विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

मेले में निशुल्क दवा का वितरण किया गया। इस दौरान डां जगदीश मौर्य,डांआशीष सिंह,सत्य प्रकाश वर्मा, दयाशंकर पांडेय , पप्पू द्विवेदी, विश्वनाथ यादव, विजय यादव, चंद्रिका,पिंटू वर्मा, विक्रम प्रसाद रहे।

पुलिस ने रुकवाया बाल विवाह

संवाददाता–श्रावस्ती। थाना एएचटीयू की ओर से मानव तस्करी विरोधी, बाल विवाह रोकथाम व एक युद्ध नशे के विरुद्ध जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत एएचटीयू टीम ने मौके पर पहुंच कर बल विवाह रुकवाया। शिकायत मिली थी कि सोनवा के फतुहापुर में बाल विवाह की तैयारी चल रही है। इस पर टीम ने फतुहापुर पहुंच कर जांच की। जिसमें लड़की नाबालिग मिली। जिसका विवाह दिसम्बर महीने में होना निर्धारित किया गया था। परिजनों से पूछा गया तो बाल विवाह कानून से अनभिज्ञता जताई। इस पर टीम ने बाल विवाह के कुप्रभाव व कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी और बाल विवाह न करने की शपथ दिलाई। इस मौके पर एएचटीयू प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद दानिश आजम, महिला उपनिरीक्षक अर्चना सिंह खन्ना, आरक्षी देवेंद्र कुमार मौर्य आदि मौजूद रहे।

पुलिस को अभिलेख देने में की जा रही हीलाहवाली

संवाददाता–गोण्डा। शराब मिल के टैंक से कथित 27000 लीटर ईएनए के चोरी हो जाने की आशंका जताते हुए आबकारी विभाग द्वारा स्टार ल्यकेम लिमिटेड के मालिक समेत पांच अधिकारियों के विरूद्ध मुकदमा तो दर्ज करा दिया गया पर जांच पडताल में पुलिस द्वारा मांगे गए अभिलेखो को उपलब्ध कराने में लगातार हीला हवाली की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि गोदाम की निगरानी में लगे सीसीटीवी फुटेज से भी छेड़छाड की जा सकती है। बहरहाल शुक्रवार मौके पर पहुंचे एडीशनल एसपी राधेश्याम राय द्वारा गोदाम को सील करवाते हुए फारेन्सिक टीम से घटना की जांच पड़ताल कराए जाने का निर्देश दिया गया था , एएसपी के निर्देश के बाद पुलिस ने गोदाम की सील कर फारेन्सिक टीम के आने की प्रतिक्षा में है। तकरीबन पौने तीन करोड़ रूपए के राजस्व की क्षति का मुकदमा दर्ज हो जाने के बाद मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारी पुलिस द्वारा मामले में पूछे जा रहे किसी भी सवाल का स्पष्ट जबाव देने के बजाए जानकारी बाद में दे दिए जाने का जबाब दे रहें हैं। गोदाम के जिस टैंक से ईएनई लीक होने की बात मिल प्रबन्धन द्वारा बताई जा रही है वो किस टैंकर से कब और कहां से आया था, अभिलेखों में उसके बाबत क्या ब्यौरा दर्ज किया गया था। इन सवालों का जबाब दे पाना आबकारी विभाग के लिए एक पहेली बना हुआ है। वहीं पुलिस की विवेचना भी प्रभावित हो रही है। लोगों के मन में अब यह प्रश्न भी कौंधने लगा है कि टैंकर से टैंक तक ईएनए पहुंचा भी था या नहीं , एकतरफ मिल प्रबन्धन द्वारा ईएनए के लीक होकर बह जाने की सूचना आबकारी को दी जा रही है। वहीं आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त द्वारा उक्त बातों के साथ 27000 लीटर ईएनए के चोरी हो जाने का उल्लेख करते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया है।

सपा के धरने को कोई नोटिस नहीं लेता, मिल्कीपुर की जनता खिलाएगी कमल -सूर्य प्रताप शाही

संवाददाता–अयोध्या। शनिवार को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही पहुंचे। उन्होंने संभल जाने से रोकने पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय द्वारा प्रदर्शन पर कहा कि सपा वाले हमेशा धरने पर बैठते रहते हैं। उनके धरने को कोई नोटिस में नहीं लेता है। जहां उनकी इच्छा होती है, वहीं धरने पर बैठ जाते हैं। उनका आईना ही दूसरा है। सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर रोक नहीं लगाई है, निचली अदालत की कार्रवाई को रोका है, सर्वे रिपोर्ट को बंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट ने मांगा है, अदालत उसके बारे में फैसला करेगी, सपा को ना तो न्यायपालिका पर भरोसा है ना तो भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा है ना चुनाव आयोग पर भरोसा है, ना ही उन्हें राज्य सरकार और केंद्र सरकार पर भरोसा है।

कहा कि वह जो कुछ कहे वह सब कुछ सही है, पहले कांग्रेस में चलता था खाता ना बही सीताराम केसरी जो कहें वही सही, यही हाल समाजवादी पार्टी का भी है। मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर सूर्य प्रताप शाही ने कहा मिल्कीपुर की जनता लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर पश्चाताप कर रही है। जब उसे अवसर मिलेगा वह भाजपा के कमल के फूल को खिलाएगी।

यातायात माह के समापन पर आयोजित की गईं प्रतियोगिताएं

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। यातायात माह का समापन शनिवार को हो गया। पुलिस लाइंस परिसर में स्कूली बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया। लेखन, पेंटिंग आदि की आयोजित प्रतियोगिताओं में कला प्रतियोगिता में कक्षा आठ से 12 तक के छात्र–छात्राओं में सकीना प्रथम,चांदनी द्वितीय, भाग्यलक्ष्मी चौरसिया व शालिनी पाण्डेय तृतीय स्थान पर रहीं। निबंध प्रतियोगिता में सम्या ने प्रथम, उपेंद्र त्रिपाठी व विकास प्रजापति ने द्वितीय, अदिति सैनी व सोनम कसौधन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन सभी को एसपी प्राची सिंह ने पुरस्कृत किया। इस दौरान एएसपी सिद्धार्थ ,सीओ यातायात सुजित कुमार राय व सीओ सदर अरुण कांत सिंह आदि मौजूद रहे। यातायात माह के दौरान जिले में पुलिस द्वारा 9462 वाहनों से कुल 1,02,29,000 रपये का चालान किया गया। 7095 दो पहिया वाहन जो बिना हेलमेट तीन सवारी, चार पहिया वाहन के 152 बिना सीट बेल्ट व बिना इन्शोरेन्स के वाहन 158, बिना ड्राइविंग लाइसेन्स 489 के अलावा 1118 अन्य वाहनों का चालान किया गया।

दो वर्ष बाद चलेगा पोलियो की खुराक पिलाने का अभियान

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में दो वर्ष बाद चलेगा पोलियो की खुराक पिलाने का अभियान चलेगा। विभाग ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। कोविड महामारी के दौरान नौनिहालों को पोलियो की खुराक देना विभाग ने बंद कर दिया था। यह खुराक मार्च 2022 के बाद नौनिहालों को नहीं दी गई। अब आठ दिसंबर से पोलियो की बीमारी से बचाने के लिए शून्य से पांच साल तक के बच्चों को दवा पिलाने का अभियान चलाया जाएगा। इसकी शुरुआत आठ दिसंबर को बूथों पर बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाकर की जाएगी। जिले में करीब तीन लाख बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। सीएमओ डॉ. रामानुज कन्नौजिया ने बताया कि पोलियो अभियान का शुभारंभ आठ दिसंबर को बूथों पर बच्चों को यह खुराक पिलाकर किया जाएगा। इसके बाद टीमें घर–घर जाकर बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाएंगी। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिया कि हर हाल में बच्चों तक यह खुराक पहुंचनी चाहिए। यदि कहीं से किसी प्रकार की समस्या आती है तो वे हमें तुरंत अवगत कराएं। इसकी तैयारी में सभी लोग जुट जाएं। जल्द ही अभियान में लगने वाली टीमों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। हाईरिस्क संभावित क्षेत्र जहां ईंट–भट्ठा व नदी की तलहटी जहां पर सब्जियों की खेती की जाती है वहां पर भी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए टीमों का गठन किया जा रहा है।

मांगों को लेकर धरने पर जमे रहे अधिवक्ता

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के धनघटा तहसील में उप निबंधन कार्यालय तहसील परिसर में बनवाने की मांग को लेकर चल रहा अधिवक्ताओं का धरना जारी है। अधवक्ताओं का कहना है कि हम लोगों का धरना तभी समाप्त होगा जब उप निबंधन कार्यालय तहसील परिसर में बनवाने का निर्देश हो जाएगा।

अधिवक्ताओं ने कहा कि उपनिबंधन कार्यालय तहसील परिसर में जगह होने के बाद भी दान की दी हुई विवादित भूमि में बनवाया जा रहा है। उनका कहना है कि तहसील परिसर में भूमि होने के बाद भी उन लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। तहसील परिसर में उप निबंधन कार्यालय बनवाने के समय किराए के भवन में उप निबंधन कार्यालय चल रहा था। उस समय भी हम लोगों ने जब मांग किया तो उसे बाढ़ शरणालय में स्थापित कर दिया गया। जबकि बाढ़ शरणालय जर्जर हो गया है किसी दिन बड़ी घटना घट सकती है। धरना देने वालों में दिलीप राय, लाल शरण सिंह, उदयभान, प्रभु नाथ यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सहजनवा रेलवे स्टेशन परिसर में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा रेलवे स्टेशन परिसर में शनिवार की सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। युवक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान है। खून निकल रहा है। उसके परिजन हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगा रहे हैं सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी परिजन तहरीर नहीं दिए है।

नगर पंचायत के वार्ड नंबर 14 लुचुई में रेलवे स्टेशन के पश्चिम तरफ खाली परिसर में स्थानीय लोगों ने एक युवक की खून से लथपथ शव देखा।किसी ने सूचना पुलिस को दिया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से मृतक की पहचान कराई। जिसकी पहचान सहजनवा नगर पंचायत वार्ड नंबर सात लुचुई निवासी सुरेन्द्र का 28 वर्षीय अनिल के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। मौके पहुचें परिजनों ने शव की पहचान को पुख्ता किया। युवक के सिर तथा शरीर पर चोट के निशान मिले है।परिजन हत्या कर के शव फेंकने का आरोप लगा रहे है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच में जुट गयी है। मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था और अभी शादी नहीं हुई है। परिजन मजदूरी करके के परिवार जीविकोपार्जन करता है। परिजनों ने बताया कि मृतक नशा भी करता था। पास में दो गांजा की अवैध दुकानें संचालित होती हैं। उनका आरोप है कि वह गांजा पीता था। ऐसे गांजा पीने के दौरान विवाद में हत्या की गई है।

फिलहाल पुलिस मामले में एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसओ विशाल उपाध्याय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट में मृत्यु का कारण स्पष्ट होगा। अभी तहरीर नहीं दी है।

प्रश्नोत्तरी में रुकमणि और पेंटिंग में लक्ष्मी रही अव्वल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सोहना कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने शनिवार को बिडरा नवजीवन इंटर कॉलेज में फसल अवशेष प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों में फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर प्रश्नोत्तरी, पेंटिंग व निबंध प्रतियोगिता कराई गई।

प्रतियोगिता में प्रश्नोत्तरी में रुक्मणि प्रथम, प्रियंका अग्रहरि द्वितीय व चांदनी तीसरे स्थान पर रही। पेंटिंग में लक्ष्मी चौरसिया प्रथम, प्रियंका अग्रहरि द्वितीय व सोनम प्रजापति ने तीसरा स्थान हासिल किया। निबंध में मनीषा प्रथम, अंशिका द्वितीय एवं शिवकुमारी ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में स्थान बनाने वाली छात्राओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ. सर्वजीत ने किसानों से फसल अवशेष जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया। इस अवसर पर डॉ. प्रवेश कुमार, नीलम सिंह, संतोष कुमार यादव, मनोज कुमार मिश्र, श्रीराम गुप्त आदि मौजूद रहे।

श्रीरामतारण महामंत्र का अनुष्ठान हवनपूर्वक संपादित

संवाददाता–अयोध्या। बेंगलुरु के उत्तरादि मठ से पीठाधीश्वर सत्यात्मा तीर्थ स्वामी के नेतृत्व में आए उनके शिष्यों की टोली ने शनिवार को श्रीराम लला मन्दिर परिसर में श्रीरामतारण महामंत्र का अनुष्ठान और हवन किया। प्रातः छह बजे से प्रारम्भ अनुष्ठान में लगभग 200 लोग सम्मिलित हुए। पीठाधीश्वर के अनुसार लोक कल्याण के लिए अनुष्ठान का आयोजन किया गया। विजय विट्ठलाचार्य, पूर्णप्रयत्नाचार्य, रजत आचार्य आदि ने अनुष्ठान सम्पन्न कराया।

जिला पंचायत में सड़कों के रखरखाव के लिए बजट का प्रावधान न होने पर ठेकेदार नाराज

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिला पंचायत में आगामी दिनों में सड़कों के निर्माण के लिए होने वाली टेंडर में अनुरक्षणध्रखरखाव मद में बजट का प्रावधान न करने पर ठेकेदार नाराज हैं। उनका कहना है कि विभाग पीडब्ल्यूडी के जिस शासनादेश का हवाला दे रहा है उसमें अनुरक्षण मद का कहीं उल्लेख नहीं है। ऐसे में ठेकेदार सड़क बनाने के बाद किस मद से अनुरक्षण का कार्य करेंगे। जबकि सड़क बनाने के बाद पांच साल तक सड़क के रखरखाव का कार्य करना है। जिला पंचायत के ठेकेदार अनिल वर्मा, हरेंद्र सिंह, संजय वर्मा पिंटू, रवि सिंह, गुड्डू सिंह, महेंद्र वर्मा, मोहम्मद वसीम, जयशंकर सिंह, अरुण वर्मा, हरिश्चंद्र समेत लोगों ने उच्च अधिकारियों से मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। ठेकेदारों का कहना है कि विभाग और शासन जल्द से जल्द इस संबंध में स्पष्ट शासनादेश जारी करे। जिसमें इस बात का उल्लेख हो की सड़कों के रखरखाव के लिए अलग से बजट का प्रावधान किया गया है, अन्यथा की दशा में टेंडर का बहिष्कार किया जाएगा। जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदारों ने अध्यक्ष जिला पंचायत श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा को ज्ञापन देकर मामले में आवश्यक कार्यवाही करने का अनुरोध किया है। ठेकेदारों ने कहा है कि पीडब्ल्यूडी के निर्देशों के अनुसार ही काम कराया जाए। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि वे इस संबंध में विभाग के उच्च अधिकारियों से शीघ्र ही वार्ता करेंगे। इस संबंध में अपर मुख्य अधिकारी विनोद कुमार वर्मा ने बताया कि प्रकरण शासन के संज्ञान में है जल्द ही इस संबंध में कोई आदेश जारी हो सकता है।

नेपाल ले जाई जा रही सात बोरी खाद के साथ पांच गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। थाना ढेबरुआ की पुलिस ने साइकिल से नेपाल ले जाई जा रही सात बोरी खाद बरामद की है। पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मतीबुल पुत्र बिस्मिल्ला, सलमान पुत्र बरखू ो गोबी, नासिर पुत्र जुग्गन निवासी विजयनगर थाना बहादुरगंज जिला कपिलवस्तु नेपाल, अनिल पुत्र शिवप्रसाद डबरा थाना बहादुरगंज जिला कपिलवस्तु नेपाल ,सुन्ना पुत्र मुन्ना निवासी बहादुर गंज जिला कपिलवस्तु नेपाल को सेमरहवा नोमैंस लैण्ड के पास गिरफ्तार कर सात बोरी खाद बरामद की। 11 कस्टम एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

अनुपस्थित बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। विकास खंड बर्डपुर अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज दुल्हा सुमाली ककरहवा का मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार ने औचक निरीक्षण किया। नामांकन के सापेक्ष बच्चों की उपस्थिति कम होने पर सीडीओ ने अनुपस्थित छात्रों के अभिभावकों से संपर्क कर शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार ने विकास खंड बर्डपुर में ग्राम पंचायत दुल्हा सुमाली में राजकीय इंटर कालेज विद्यालय समेत चल रहे प्रोजेक्ट अलंकार अंतर्गत निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय पांच सहायक अध्यापक उपस्थित थे। प्रभारी प्रधानाचार्य अजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया गया कि इस शैक्षिक वर्ष से संचालित विद्यालय में 350 बच्चों का नामांकन है, जिसके सापेक्ष आज 150 बच्चों उपस्थित है। बच्चों की कम संख्या के संबंध में सीडीओ ने निर्देशित किया कि बच्चों की उपस्थिति बढाने के लिए अनुपस्थित छात्र–छात्राओं के अभिभावक से संपकर्द्य कर बातचीत तथा नियमित रूप से अभिभावक की बैठक आयोजित करें। विद्यालय में मिड डे मील के अन्तर्गत भोजन बनाया गया था। निर्मित भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण किया। विद्यालय में प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत पेयजल सुविधा, शौचालय ब्लाक एवं अतिरिक्त कक्ष कक्ष प्रयागशाला तथा पुस्तकालय का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय का निर्माण कार्य पूर्ण है।

शहर में घूमते आवारा कुत्तों के झुंड ने बनाया दहशत का माहौल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शहर में आवारा कुत्तों की भरमार है। कोई ऐसा मोहल्ला नहीं होगा जहां दर्जनों कुत्तों के झुंड न हों। आवरा कुत्ते कब किसी इंसान या जानवरों को निशाना बना दें कहा नहीं जा सकता है। कुत्तों को पकड़ने का डीएम का फरमान भी बेअसर साबित हुआ है। शहर की मेन सड़क से लेकर मोहल्लों में आवारा कुत्तों का झुंड हर समय नजर आता है। कुत्तों के आतंक से लोग सहमे हैं। कई ऐसे भी हैं जो अपने बच्चों को घरों के बाहर नहीं निकलने दे रहे हैं। घूमते आवारा कुत्ते राह चलते लोगों पर प्रहार कर उन्हें घायल कर दे रहे हैं। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक में कुत्तों के हमले में आधा दर्जन से अधिक लोगों की जान भी जा चुकी है। सैकड़ों कुछ माह के अंदर घायल भी हो चुके हैं। इंसानों पर हमलावर कुत्ते बकरे व बकरियों को भी निशाना बना रहे हैं। कुत्तों के काटने से आधा दर्जन से अधिक बकरों की मौत हो चुकी है। दो दिन पूर्व शास्त्री नगर में कुत्तों के झुंड ने शीबू की बकरियों पर हमला कर दो को घायल कर दिया। आसपास लोगों ने शोर मचाने के साथ ईंट–पत्थर चला कर किसी प्रकार जानवरों की जान बचाई थी वरना वह मार ही डालते। डीएम डॉ.राजा गणपति आर ने कुछ माह पूर्व शहर से आवारा कुत्तों को पकड़ने का आदेश जारी किया था। पालिका प्रशासन ने डीएम के फरमान पर अभियान चलाया भी लेकिन एक–दो को पकड़ने के बाद उसपर विराम लगा दिया इससे आवारा कुत्तों की संख्या और बढ़ गई है। किंचायल, अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका ने कहा कि आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए पालिका प्रशासन द्वारा अभियान चलाया जाता रहता है। कुछ पकड़े भी जा चुके हैं जिन्हें दूर ले जाकर छोड़ दिया गया है।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–325/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
समीउन्निशा
बनाम
अफसाना आदि
1. जुनैल अहमद 2. जुबेर अहमद 3. अब्दुलहक 4. तुफेल 5. सुहेल पुत्रगण फरहाद हुसेन उर्फ झिनकान 6. आजाद हुसेन पुत्र मकबूल निवासीगण ग्राम बैरागल तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 30–01–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0275/2022
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
मेथी आदि
बनाम
अमनजीत सिंह छाबड़ा आदि
1. अमनजीत सिंह छाबड़ा पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह छाबड़ा साकिन हुन्डा वाल वाग गली नं0–6 अदरथ नगर फिरोजावाद हाल मुकाम 61 के0के0 नगर सूनकता वाग सिकन्दरा आगरा पिन नं0–282007
तारीख पेशी 04–12–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0
धारा 21 (2) C.H.Act
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
जवाहिरलाल
बनाम
मो0 मुस्तफा आदि
1. मो0 मुस्तफा 2. मो0 रसीद पुत्रगण कासिम 3. नूरा पुत्री कासिम निवासीगण ग्राम बेइली तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती –उत्तरवादीगण प्रथम वर्ग
4. अफजल खान 5. फैसल खान 6. सुहेल खान पुत्रगण अब्दुल अजीज 7.कु0 फातिमा 8. कु0 सबिहा पुत्रीगण अब्दुल अजीज निवासीगण ग्राम अमिलहा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 9. फूल चन्द्र पुत्र खूनी 10. ग्राम पंचायत बेइली जरिये प्रधान निवासीगण ग्राम बेइली तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
–उत्तरवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 13–12–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 13 महीना 12 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख 29 माह 11 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 153/2022
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
करमदानी
बनाम
संतोष कुमार यादव आदि
1. संतोष कुमार यादव पुत्र रामवरत यादव ग्राम जंगल सिकारी उर्फ खोराबार पो0 जंगल छावरी थाना खोराबार जिला–गोरखपुर उ0प्र0 पिन–273010
(वाहन स्वामी UP 53 BT 8525)
तारीख पेशी 05–12–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0
धारा 11 (1) जो0व0अधि0
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
फूलचन्द्र
बनाम
भारत प्रसाद आदि
1. नारेन्द्र पुत्र भारत प्रसाद साकिन सांवडीह तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
2. मैकुल पुत्र पप्पू उम्र 17 वर्ष नावालिग ववलायत नारेन्द्र चाचा हकीकी साकिन सांवडीह तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 09–12–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 09 महीना 12 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख 30 माह 11 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 89/2023
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
सीतासरन
बनाम
श्रीमती मीरा आदि
1. श्रीमती मीरा उम्र 50 साल पत्नी नरेन्द्र साकिन भटहा जंगल तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती (मालिक)
तारीख पेशी 03–12–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष 2017 अनुक्रमांक 2225791 का अंकपत्र एवं सह अंक पत्र वास्तव में खो गया है।
(खुशी यादव)
पुत्री ओम प्रकाश
ग्राम–धुसूरिया
पोस्ट– नगर बाजार
जनपद– बस्ती।

अदालती नोटिस
इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल अपील सं0 36/2024
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सियाराम
बनाम
राम अवतार आदि
1. राम अवतार उम्र लगभग 54 वर्ष पुत्र ठाकुर प्रसाद साकिन मौजा गोमिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग
2. रामनरेश उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र ठाकुर प्रसाद साकिन मौजा गोमिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील वो जिला–बस्ती
3. प्रीति मौर्या उम्र लगभग 28 वर्ष पत्नी रामनरेश मौर्य साकिन नगर बाजार हाल मुकाम साकिन मौजा गोमिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
4. कान्ती देवी उम्र 52 वर्ष पत्नी रामजी साकिन मौजा एकमाहिरानिया तप्पा वेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–रेस्पान्डेन्टियान द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 16–12–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 16 महीना 12 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 212/2024
अमीर जैन खांन–सायलान
1. अमीर जैन खांन उम्र 56 वर्ष पुत्र स्व0 जैनुल आवदीन खांन निवासी जैफ मंजिल पोस्ट गांधी नगर बस्ती मोहल्ला पिकौरा दत्तूराय तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 06–01–2025
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूलर कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 06–01–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0
द0 हाकिम